2019

HINDI

(Major)

Paper : 5.5

(Hindi Ka Nibandh Sahitya)

Full Marks : 60

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×7=7

(क) मॉनतेन के अनुसार 'एसे' का केन्द्रीय तत्त्व क्या है?

(ख) अंग्रेजी साहित्य के प्रथम निबंधकार कौन हैं?

(ग) किसने निबंध को गद्य की कसौटी माना है?

(घ) अध्यापक पूर्णसिंह के अनुसार अन्न पैदा करने में किसान किसके समान है?

(ङ) क्रौंच पक्षी के जोड़े में से एक पक्षी का वध किसने किया था?

(च) हृदय की मुक्ति की साधना के लिए मनुष्य की वाणी जो शब्द विधान करती आई है, उसे क्या कहते हैं?

(छ) नीलकण्ठ किसलिए 'चुप्पा पाखी' है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : $2 \times 4 = 8$

(क) 'निबंध' शब्द का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) "तुलसीदास जी ने भी ऊर्मिला पर अन्याय किया है" —आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) प्रेम मजदूरी क्या है?

(घ) अध्यापक पूर्णसिंह के निबंधों की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : $5 \times 3 = 15$

(क) निबंध की परिभाषा प्रस्तुत करते हुए अपना मत स्पष्ट कीजिए।

(ख) "बसंत आता नहीं, ले आया जाता है।" आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'एक कुत्ता और एक मैना' निबंध की पृष्ठभूमि स्पष्ट कीजिए।

(घ) पठित पाठ के आधार पर साबित कीजिए कि मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है।

(ङ) 'अस्ति की पुकार हिमालय' पाठ के आधार पर हिमालय के महत्त्व का प्रतिपादन कीजिए।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

मनुष्य के लिए कविता इतनी प्रयोजनीय वस्तु है कि संसार की सभ्य-असभ्य सभी जातियों में, किसी न किसी रूप में, पाई जाती है। चाहे इतिहास न हो, विज्ञान न हो, दर्शन न हो; पर कविता का प्रचार अवश्य रहेगा।

अथवा

साहित्य के उत्कर्ष या अपकर्ष के निर्णय की एकमात्र कसौटी यही हो सकती है कि वह मनुष्य का हित साधन करता है या नहीं।

5. हिन्दी निबंध की विकास-धारा पर प्रकाश डालते हुए आचार्य शुक्ल की देन को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

हिन्दी निबंध के उत्कर्ष-काल पर प्रकाश डालते हुए हजारी प्रसाद द्विवेदी की देन को स्पष्ट कीजिए।

6. 'मजदूरी और प्रेम' **अथवा** 'सावधानी की आवश्यकता' शीर्षक निबंध के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए। 10

★★★